ऐनाबैपटिस्टवाद के अगले 500 वर्ष

केन्या मेनोनाइट चर्च की एक मण्डली में आराधना: फोटो: लिसा अंगर

जारी करने का दिनाँक: मंगलवार, 29 नवम्बर 2016

बगोटा,कोलम्बिया – 500 वर्ष पूर्व पश्चिम की कलीसियाओं में भारी भरकम परिवर्तन देखा गया जब एक के बाद एक अनेक झुण्डों ने पवित्रशास्त्र के माध्यम से नयी नयी बातों को ढूढ़ा और रोमन कैथोलिक कलीसिया से पृथक हो गए। ''पुनरारम्भ 2027'' (*रिन्यूवल 2027*) मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस (एमडब्लूसी) वैश्विक परिवार के भीतर अगले 10 वर्षों में होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी का एक खाका है जिसके अन्तर्गत उस अवधि की संस्कृति और धार्मिक परिवर्तन में ऐनाबैपटिस्ट भूमिका को स्मरण किया जाएगा जिस अवधि को हम धर्मसुधार (*रिफॉर्मेशन*) के नाम से जानते हैं।

'''*रिन्यूवल* 2027' उस ऐतिहासिक परम्परा का एक उत्सव होगा जिसने अब संसार भर में अनेक विभिन्न सांस्कृतिक परिदृश्यों में अभिव्यक्ति पा ली है,'' जॉन रोथ, एमडब्लयूसी *फेथ एण्ड लाइफ कमीशन* के सचिव और ''रिनेवल 2027'' के आयोजक आगे यह बताते हैं, ''हम ऐसी आशा करते हैं कि ये कार्यक्रम वार्तालापों में सक्रिय होने के द्वारा हमारी पहचान को सुदृढ़ करेंगे – विशेष कर के युवाओं, कलीसिया के सामान्य सदस्यों और सार्वभौमिक मित्रों (*इक्यूमैनिकल फ्रैण्ड्स*) के साथ – इन वार्तालापों में हम इस विषय पर मंथन करेंगे कि वर्तमान वैश्विक कलीसिया में ऐनाबैपटिस्ट होने का अर्थ क्या है, जबकि हम साथ साथ अन्य मसीही कलीसियाओं के साथ भी सहभागिता बनाए रखते हैं।''

प्रत्येक वर्ष एक भिन्न क्षेत्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, इससे पहले इसी स्थान पर कार्यकारिणी, जनरल कॉन्सिल सभाएं और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। वैश्विक स्तर पर वार्तालाप के जरिये आराधना, गीत और चर्चा के लिए एक मूल विषय को चुना जाएगा। स्थानीय योजना समितियाँ प्रत्येक कार्यक्रम को अपनी स्वयं की संस्कृति, परम्परा, और इतिहास की पृष्ठभूमि में तैयार करने में योगदान देंगी। सभी पाँच क्षेत्रों और सार्वभौमिक साझेदारों से वक्ताओं को अवसर दिया जाएगा कि वे वर्तमान संसार में ऐनाबैपटिस्ट विश्वास के वैश्विक स्वाभाव और मसीही गवाही से सम्बन्धित प्रस्तुतिकरण दें।
पहला कार्यक्रम, ''वचन के द्वारा परिवर्तित: बाइबल को ऐनाबैपटिस्ट दृष्टिकोण से पढ़ना,'' का आयोजन 12 फरवरी 2017 को आग्सबर्ग, जर्मनी में किया गया है, यह संयोग है कि इसी वर्ष और इसी देश में धर्मसुधार आरम्भ हुआ था।

अगले वर्ष का *रिनेवल 2027* कार्यक्रम, पवित्र आत्मा पर केन्द्रित होगा, और यह जनरल कॉन्सिल सभा के साथ केन्या में आयोजित किया जाएगा।
रिनेवल 2027 धर्मसुधार की विश्वव्यापी मान्यता के सन्दर्भ में सामने आया है। सार्वभौमिक कार्यक्रम, जैसे आशा में एक साथ, 31 अक्टूबर 2016 को सम्पन्न हुआ जिसमें एमडबल्यूसी के जनरल सेक्रेटरी सीज़र गार्सिया ने भाग लिया, इस कार्यक्रम में पूर्व में विभाजित हो गए समूह जैसे लूथरन और रोमन कैथोलिक कलीसियाओं के बीच में संगति का उत्सव मनाया गया।

नवीनीकरण 2027 में श्लेयथिम अंगीकार और प्रथम ऐनाबैपटिस्ट मिशन कॉन्फ्रेंस (द मार्टियर्स सिनड इन आग्सबर्ग) की 500वी जंयती को स्मरण किया जाएगा, और 2027 एमडबल्यूसी सम्मेलन के साथ ऐनाबैपटिस्ट–मेनोनाइट के वैश्वीकरण में अपनी चरम पर होगा।
एमडबल्यूसी की ओर से *इन्फो* के माध्यम से जारी विज्ञप्ति

रिनेवल कार्यक्रम
2018 – केन्या (जनरल कॉन्सिल की बैठकें)
2019 – लैटिन अमरीका (कार्यकारिणी समिति की बैठकें)
2020 – पश्चिम कनाडा (कार्यकारिणी समिति की बैठकें)
2021 – इण्डोनेशिया (एमडबल्यूसी का 17वाँ सम्मेलन)